(ग) 'श्रोपन लाइन' को ऐसे कर्मचारियों को सौंपने में विलम्ब के क्या कारण हैं; श्रौर

(घ) इस सम्बन्ध में बोर्ड के आदेशों का उल्लंघन करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई है ?

रेल मंत्रालय तथा संसदीय कार्य विभाग में उप मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) :
(क) विवरण इस प्रकार है :

1. रेलपथ :

(i) गोमी, बन्दपुरा डांहरी लाइन दुगदा चरण–I श्रौर II

(ii) फुलवारत्तानर-जमुनियातनगर लाइन का दोहरीकरण

(iii) पतरातु श्रौर बेरमी के मध्य मुख्य यार्ड में रेलपथ कार्य

(iv) बरकाना-परिहार लाइन ।

2. निर्माण कार्य

(i) सुंदानडीह श्रौर धनबाद के बीच पाइप लाइन

(ii) जागेश्वर बिहार श्रौर दुनरी के बीच श्रनुरक्षण कार्य

(iii) पतरातू श्रौर बेरमी के बीच भिन्न-भिन्न निर्माण कार्य ।

(ख) चालू लाइन को दी गई परिसम्पत्तियों के सम्बन्ध में रेलपथ के लिए 329 कर्मचारी श्रौर निर्माण कार्यों के लिए 30 कर्मचारी मण्डल इंजीनियर, धनबाद को दिये गये थे ।

(ग) सामान्य नियमों के श्रनुसार परिसम्पत्तियों के सृजन के बाद रेलवे के निर्माण श्रौर चालू लाइन संगठनों के बीच श्रनुरक्षण-पदों के सृजन के प्रस्ताव के बारे में वित्त विभाग की सहमति से संयुक्त रूप से विनिश्चय किया जाता है ।

(घ) प्रश्न नहीं उठता ।

कोराला जयंत रेल लाइन

1583. **श्री राम प्यारे पनिका :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कोराला जयंत रेल लाइन का निर्माण कार्य कब तक पूरा हो जायेगा ;

(ख) क्या यह सच है कि रेलवे विभाग ने श्रभी तक राज्य सरकार को किसानों को वितरण के लिए मुश्रावजे की राशि का भुगतान नहीं किया है ; श्रौर

(ग) यदि हां, तो उन्हें मुश्रावजा कब तक दिया जायेगा ?

रेल मंत्रालय तथा संसदीय कार्य विभाग में उप मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) : (क) चरण 1 केरायला रोड से काकरी तक 33.05 कि0 मी0 की कुल लम्बाई में से 21.43 कि० मी० की लाइन को 30–6–1981 तक खोले जाने की श्राशा है ।

चरण 2—काकरी से जयन्त (श्रर्थात् शेष 11.62 कि0 मी0) को खोले जाने की लक्ष्य तिथि 31–3–1982 है बशर्ते कि 31–3–1981 तक उ० प्र० सरकार द्वारा श्रपेक्षित भूमि को खाली कब्जा दिला दिया जाये ?

(ख) जी, नहीं ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।